N–395

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. अंतिम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी गद्य **प्रश्न–पत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ी निबन्ध संग्रह 'सोनपान' के लेखक हैं।
2. 'सुरुज साखी हे' के लेखक ..... हैं।
3. सोनाखान ..... के राजा थे।
4. बड़ी बेटी का ब्याह डोकरा ने किससे कराया ?
5. बॉडी लैंग्वेज का हिन्दी शब्द ..... है।
6. मधुर बेला कौन है ?
7. सत्यभामा आडिल का जन्मग्राम कौन–सा है ?
8. 'छत्तीसगढ़ी के खोजार' किसकी रचना है ?

खण्ड–ब

9. छत्तीसगढ़ी लोककथा में वर्णित किसी एक शिक्षाप्रद बात को सोदाहरण समझाइये।
10. बिहारी लाल साहू जी का परिचय प्रदान कीजिए।
11. 'मोंगरा' उपन्यास के चरित्र का वर्णन कीजिए।
12. 'चन्दा अमरित बरसाइस' उपन्यास के कथ्यत्व पर प्रकाश डालिए।
13. 'कुल के मरजाद' के केन्द्रीय भाव को लिखिये।
14. पं. श्यामलाल चतुर्वेदी जी का जीवन परिचय लिखिये।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. 'मया के अंचरा' कहानी की विशेषताओं को लिखिए।
16. केयूर भूषण द्वारा छत्तीसगढ़ी साहित्य के प्रति योगदान को रेखांकित कीजिए।
17. 'मोंगरा' उपन्यास की तात्विक समीक्षा कीजिए।
18. छत्तीसगढ़ी लोककथा के उद्‌भव पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. छत्तीसगढ़ी गद्य में कितने तत्व होते हैं ? संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
20. छत्तीसगढ़ी उपन्यास की विकासयात्रा पर लेख लिखिए।
21. छत्तीसगढ़ी निबन्ध की महत्वपूर्ण ड्डतियों की विवेचना कीजिए।
22. लोककथा के उद्‌भव व विकास पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. छत्तीसगढ़ी गद्य की विविध विधाओं का वर्णन कीजिए।
24. छत्तीसगढ़ी साहित्य की अस्मिता एवं महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसम्बर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसम्बर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N–396

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. अंतिम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी नाट्य एवं अन्य विधाएँ **प्रश्न–पत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य के प्रमुखतः कितने रूप हैं ?
2. किस नाच के आयोजन की तिथि को कोटवार द्वारा किसी बाजार में आम की टहनी हिलाकर घोषणा की जाती है ?
3. 'दिया ना के अंजोर' किसकी डुति है ?
4. नाचा की सबसे पुरानी विद्या का नाम लिखिए।
5. नाचा का 'भीष्म पितामह' किसे कहा जाता है ?
6. लोकोक्तियों को छत्तीसगढ़ी में क्या कहा जाता है ?
7. पण्डवानी गीत का प्रमुख आधार किसकी कथा है ?
8. छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वप्नद्रष्टा किसे माना जाता है ?

खण्ड–ब

9. 'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति लिखिए।
10. छत्तीसगढ़ी के किन्हीं पाँच लोक नाट्यों के नाम लिखिए।
11. रहस क्या है ?
12. अपनी पाठ्य पुस्तक के कोई दो हाना अर्थ सहित लिखिए।
13. 'जनऊला' क्या है ?
14. कर्मा गीत छत्तीसगढ़ के किस क्षेत्र में प्रमुखता से गाया जाता है ? और किस अवसर पर गाया जाता है ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. नाचा की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
16. दाऊ मंदरा जी का जीवन परिचय लिखिए।
17. छत्तीसगढ़ी गम्मत क्या है ?
18. रामचन्द्र देशमुख जी का जीवन परिचय लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. छत्तीसगढ़ी गजल को सविस्तार समझाइए।
20. नाचा का विकासक्रम लिखिए।
21. जनऊला को समझाते हुए मानव विषयक जनऊला का अर्थ सहित उदाहरण दीजिए।
22. रहस और रास में क्या अन्तर है ?

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य को उदाहरण सहित अपने शब्दों में लिखिए।
24. रहस के विभिन्न चरणों को समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसम्बर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसम्बर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N–397

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. अंतिम वर्ष छत्तीसगढी

विषय –प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी **प्रश्न–पत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग का गठन कब किया गया ?
2. खोखमा किस फूल को कहते हैं ? हिन्दी में लिखिये।
3. दीपावली कितने दिनों का त्यौहार है ?
4. बिलासपुर शहर किसके नाम से जाना जाता है?
5. एक पाख (पक्ष) में कितनी तिथियाँ होती हैं ?
6. कन्हैया आठें किस माह/पक्ष एवं तिथि को होता है ?
7. आमंत्रण को छत्तीसगढ़ी में क्या कहते हैं ?
8. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी पुस्तक के सम्पादक का नाम लिखिये।

खण्ड–ब

9. प्रयोजनमूलक भाषा की कोई दो विशेषताएँ लिखिये।
10. लोकव्यवहार में छत्तीसगढ़ी के महत्व को अभिव्यक्त कीजिए।
11. अनुस्मारक पत्र क्या है ?
12. राजकाज की भाषा और छत्तीसगढ़ी को समझाइये।
13. अनुच्छेद 350 क्या है ?
14. आकाशवाणी से प्रसारित दो छत्तीसगढ़ी कार्यक्रमों के नाम लिखिये।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. टेलीविजन की लोकप्रियता में छत्तीसगढ़ी भाषा की भूमिका लिखिये।
16. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी की विशेषताएँ लिखिये।
17. छत्तीसगढ़ विधानसभा राजभाषा संशोधन विधेयक 2007 को समझाइये।
18. संचार की अर्थ सहित परिभाषा लिखिये।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी की समस्याओं को रेखांकित कीजिए।
20. आदेश–पत्र को उदाहरण सहित समझाइये।
21. राजभाषा नियम बनाने की शक्तियाँ क्या हैं ? उल्लेख कीजिए।
22. मीडिया को प्रभावी बनाने में छत्तीसगढ़ी की भूमिका पर सविस्तार वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. छत्तीसगढ़ी को राजभाषा बनने एवं प्रशासनिक भाषा बनने की प्रक्रिया की प्रमुख बातों को लिखिये।
24. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी के स्वरूप एवं महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसम्बर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसम्बर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N–398

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय काय (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. अंतिम वर्ष छत्तीसगढी

विषय – छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति **प्रश्न–पत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. 'छत्तीसगढ़ी देहाती कला विकास मण्डल' की स्थापना किसने और कब की ?
2. 'तुलाव' का उपयोग कौन करता है ? यह कितना फिट लम्बा और चौड़ा होता है ?
3. सैला किस क्षेत्र में खेला जाता है ?
4. 'कोठी' का उपयोग किसके लिए किया जाता है ?
5. 'ढोकरा कला' से क्या बनाया जाता है ?
6. छत्तीसगढ़ी का प्रथम लोक पर्व क्या है ?
7. 'तीजा' कब मनाया जाता है ?
8. 'हंसुली' कहाँ पहना जाता है ?

खण्ड–ब

9. नाचा और गम्मत क्या है ?
10. 'नागमोरी' क्या है ?
11. 'सरहुल' किस जनजाति द्वारा मनाया जाने वाला नृत्य है ? यह कब और किस क्षेत्र में प्रचलित है?
12. 'सदनाही' को समझाइए।
13. कोसा शिल्पकला को समझाइए।
14. 'सोनपान' का प्रयोग किस त्योहार में किया जाता है ? मान्यता क्या है ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. दाऊ महासिंह चन्द्राकर का जीवन परिचय लिखिए।
16. किन्हीं पाँच छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को पर्वों में बनाए जाने का उल्लेख करते हुए लिखिए।
17. 'घोटुल' क्या है ?
18. 'पत्ता शिल्प' को समझाइए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. पोटा ;पोलाद्ध को समझाइए।
20. छत्तीसगढ़ी लौह शिल्प पर टिप्पणी लिखिए।
21. जनजाति संस्कृति को छत्तीसगढ़ के सन्दर्भ में समझाइए।
22. 'सदनाही' क्या है ? इसके महत्व को लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. छत्तीसगढ़ी लोक–कला एवं संस्कृति पर सारगर्भित निबंध लिखिए।
24. छत्तीसगढ़ी लोक–संस्कृति के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

5. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
6. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
7. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसम्बर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसम्बर 2026 जैसा ही रहेगा।**
8. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**